आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक-131 - ● कटनी ● रविवार, 13 जून, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष -3 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

पहले एसी में सोये चोर, फिर की चोरी

गाजियाबाद के कविनगर डी-ब्लॉक में चोरों ने प्लाइवुड कारोबारी दिनेश चौधरी के बंद मकान का कोना-कोना खंगालकर लाखों रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित कारोबारी के मुताबिक चोरों ने रातभर तसल्ली से उनका घर खंगाला। एसी में सोए और फिर घर की टोंटी तक खोलकर ले गए।

ठेकेदार पर डलवाया कचरा

मुंबई के कुर्ला से शिवसेना विधायक दिलीप लांडे ने एक ठेकेदार को काम ना करने की ऐसी सजा दी है, जो उन पर ही भारी पड़ गई है। दरअसल, मुंबई में बारिश से पहले कुर्ला में नाले की सफाई ठीक तरह से नहीं हुई थी, जिससे गुस्साए शिवसेना विधायक दिलीप लांडे ने ठेकेदार को बुलाया और नाले के पास बैठाकर उस पर कूड़ा डलवाया।

इसे कहते हैं..

बेइज्जती अनलिमिटेड

कई देशों ने वापस लौटाए पाकिस्तान के तोहफे में भेजे आम

अब तो चीन और अमेरिका ने भी ठुकराई पाकिस्तान की मैंगो डिप्लोमेसी, 32 देशों पर आजमाई थी, बहाना कोरोना

इस्लामाबाद। कोरोना महामारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहा पाकिस्तान नई कूटनीतिक रणनीति अपनाने पर उतर आया है, लेकिन उसके खास दोस्त चीन और अमेरिका ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। नई कूटनीति के तहत पाकिस्तान दुनियाभर के देशों को तोहफे में आम की अलग-अलग किस्मे भेज रहा है। हालांकि, खुद उसके परममित्र देश चीन और अमेरिका को पाकिस्तान की ये मैंगो डिप्लोमेसी रास नहीं आई है और पाकिस्तान की ओर से तोहफे में भेजे गए आम वापस लौटा दिए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान विदेश मंत्रालय (एफओ) ने बुधवार को अमेरिका और चीन समेत 32 से अधिक देशों के प्रमुखों को तोहफे में आम भेजे थे, लेकिन अमेरिका और चीन जैसे देशों ने अपने कोरोना वायरस क्वारंटीन नियमों का हवाला देते हुए तोहफे को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी की ओर से 32 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों को %चौंसा% आम भेजे गए थे। आमों की पेटी को ईरान, खाड़ी देशों, तुर्की, अमेरिका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और रूस भेजा गया था।

मैक्रों को भी भेजे थे मीठे आम..नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

मीडिया रिपोर्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की इस सूची में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का भी नाम था, लेकिन पेरिस से पाकिस्तान के इरादे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। चीन और अमेरिका के अलावा कनाडा, नेपाल, मिस्र और श्रीलंका ने भी पाकिस्तान की ओर से तोहफे में भेजे गए आमों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसके पीछे कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लागू क्वारंटाइन नियम का हवाला दिया। बता दें कि पाकिस्तान द्वारा भेजे जाने वाले आमों की किस्मों में पहले अनवर रत्तोलऔर सिंधारी किस्में भी खेप का हिस्सा थीं, लेकिन इस बार दोनों को हटा दिया गया है।

फटाफट खबरें

ट्रॉली का पीछा कर रही वन विभाग की टीम ने की फायरिंग, ग्रामीण की मौत

ग्वालियर। नगरा थाना क्षेत्र के डोंडरी पंचायत के अमोलपुरा गांव में रेत माफिया का पीछा कर रही वन विभाग की टीम द्वारा की गई फायरिंग में एक ग्रामीण को गोली लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रेत माफिया की ट्रॉली को रोकने के लिए रविवार की सुबह 4 बजे के करीब टीम नगरा घाट पर पहुंची थी। जहां एक रेत का ट्रैक्टर अमोलपुरा गांव में घुस आया। ट्रैक्टर को रोकने की गई फायरिंग में ग्रामीण को गोली लगी। घटना के बाद मौके पर सेकड़ों ग्रामीण इकट्ठा हो गए। वहीं कई थानों का पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गया।

भोपाल, जबलपुर, होशंगाबाद, सागर संभाग में बारिश शुरू

भोपाल। दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने से भोपाल, जबलपुर, होशंगाबाद, सागर संभाग के जिलों में अच्छी बरसात का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक छिंदवाड़ा में 43, पचमढ़ी में 31, होशंगाबाद में 14, भोपाल में 3.2, सागर में 2.0, भोपाल (शहर) में 1.5 मिलीमीटर बरसात हुई। शाम को राजधानी में 30 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। इससे कई पेड़ गिर गए। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक रविवार को झमाझम बरसात के साथ मानसून राजधानी में भी प्रवेश कर सकता है।

मस्तिष्क से निकाला क्रिकेट बॉल से भी बड़ा ब्लैक फंगस

पटना। कोरोना वायरस की तहर ब्लैक फंगस के भी अब सामान्य से हटकर लक्षण दिखने लगे हैं। बिहार की राजधानी पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में एक ऐसा ही अनोखा मामला सामने आया। इसमें नाक से प्रवेश कर फंगस आंखों व साइनस को अधिक प्रभावित करते हुए सीधे मस्तिष्क में पहुंच गया। बिहार में यह पहला मामला है, जिसमें ब्लैक फंगस मस्तिष्क में देखा गया है। हालांकि, संस्थान के विशेषज्ञों ने मस्तिष्क की कठिन सर्जरी को सफलता पूर्वक अंजाम देते हुए क्रिकेट बॉल के बराबर ब्लैक फंगस इंफेक्शन को निकाल दिया है।

सीएम शिवराज ने कहा: हर हालत में रोकना होगी तीसरी लहर

बार-बार लॉकडाउन नहीं

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि मध्यप्रदेश को हमें हर हाल में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर से बचाना है। लीडर वही है जो सही दिशा में जनता को लीड कर सके। मेरा यही आग्रह है कि आप जनता को सही दिशा में लीड करें। मैं देख रहा हूं कि जहां हमने अनलॉक किया है, वहां कुछ-कुछ जगह भीड़ अनियंत्रित हो रही है। हमें यह नहीं होने देना है। हम बार-बार लॉकडाउन नहीं कर सकते।

मुख्यमंत्री ने आज प्रदेश के जिलों के प्रभारी मंत्रियों, प्रभारी अधिकारियों,ज़िला प्रशासन एवं क्राइसिस मैनेजमेंट समूहों को संबोधन के दौरान यह बात कही। शिवराज ने कहा कि मध्य प्रदेश में पेड़ लगाने के अभियान को गति देना होगी। आप अपने हर गांव में दो लोग ऐसे छांटिए जो स्वास्थ्य के प्रति जागरुक हैं। उन्हें मिनिमम बेसिक ट्रेनिंग दी जाए जिससे वे गांव में होने वाली बीमारियों पर नज़र रख सकें। ब्लॉक में ऐसे तीन लोग हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निःशुल्क राशन वितरण का कार्य ठीक से हो। सरकार ने कोविड अनुकंपा नियुक्ति योजना हमने बनाई है, इसका क्रियान्वयन भी ठीक से हो। योग से निरोग अभियान से लोगों को बहुत फायदा हुआ है, इसे जारी रखा जाए। कोविड के प्रति जागरुकता के लिए क्षेत्रीय भाषा में गीत तैयार कर भी लोगों को जागरुक किया जा सकता है। प्रयास अलग-अलग तरीके से किये जा सकते हैं, लेकिन ध्येय हम सबका कोरोना की रोकथाम ही है। उन्होंने कहा कि हमने योग से निरोग अभियान चलाया है हमने, अपने क्षेत्र में हम योग को रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का, स्वस्थ जीवन का अंग बनाने का अभियान गांव-गांव चला सकते हैं। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। सीएम ने कहा कि जितनी योजनाएं हमने कोविड काल में बनाई हैं, जैसे कोविड बाल सेवा योजना, अनुकंपा नियुक्ति योजना, विशेष अनुग्रह योजना और कोविड उपचार योजना इन सब का प्रभावी क्रियान्वयन हो, कोई भी जरूरतमंद न छूटे। लोकगीत, पोस्टर, होर्डिंग, वॉयस मैसेज, क्षेत्र भ्रमण और अन्य क्या तरीके हो सकते हैं टीकाकरण पर जागरूकता के लिए क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी इनके बारे में विचार करे। मैं देख रहा हूं कई जगह जहां अन्लाक हुआ है वहां भीड़ बढ़ रही है, इससे फिर खतरा बढ़ सकता है।

दिल्ली में सभी दुकानें, बाजार, मॉल खोलने की अनुमति

कोरोना की दूसरी लहर के लगातार कमजोर पड़ने के साथ ही लॉकडाउन से भी छुटकारा मिलने लगा है। ताजा खबर राजधानी दिल्ली से है। यहां नई गाइडलाइन का ऐलान कर दिया गया है। नियमों में छूट बढ़ा दी गई है। सोमवार सुबह 5 बजे के बाद से कुछ गतिविधियों को छोड़कर सभी गतिविधियों की अनुमति है। निजी दफ़्तर 50प्रतिशत क्षमता के साथ सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक काम करेंगे। बाज़ार, मॉल और मार्केट कॉम्प्लेक्स में सारी दुकानें सुबह 10 बजे से शाम 8 बजे तक खुल सकती हैं। रेस्टोरेंट 50 प्रतिशत बैठने की क्षमता पर काम करेंगे। केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि साप्ताहिक बाज़ार को अनुमति दी जा रही है लेकिन एक दिन में एक ज़ोन में एक ही साप्ताहिक बाज़ार को अनुमति दी जाएगी।

शिवसेना ने कहा- पांच साल उद्धव ही रहेंगे सीएम तो कांग्रेस बोली अब अकेले ही लड़ेंगे

महाराष्ट्र और राजस्थान में जारी सियासी संग्राम

गहलोत पर कांग्रेस विधायक ने लगाया फोन टेपिंग का आरोप

मुंबई, जयपुर

महाराष्ट्र और राजस्थान सरकार का सियासी संग्राम थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजस्थान में सचिन पायलट खेमे की नाराजगी के बीच एक बार फिर गहलोत सरकार पर फोन टैपिंग के आरोप लग रहे हैं। कांग्रेस विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने पायलट समर्थक विधायकों के फोन टैप कराने के आरोप लगाए हैं। इसके अलावा विधायकों को एसीबी ट्रैप की कार्रवाई कराने की धमकी देने के आरोप लगे हैं। इन आरोपों के बाद से राजस्थान में सियासी भूचाल आ गया है। सचिन पायलट समर्थक विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने कहा, हमारे दो-तीन विधायकों ने मुझसे कहा है कि उनके फोन टैप हो रहे हैं। उनकी जासूसी कराई जा रही है। सीआईडी के लोग हमारे विधायकों के घरों के चक्कर लगा रहे हैं। अफसर आकर हमें कह रहे हैं कि आपको ट्रैप करवा दिया जाएगा। कई अफसरों ने हमारे विधायकों से आकर कहा है कि उन्हें एसीबी ट्रैप का डर दिखाकर बदनाम करने की धमकियां दी जा रही हैं।

निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी कांग्रेस

महाराष्ट्र में सियासी गतिविधियां तेजी से बदलती नजर आ रही है। हाल ही में एक ओर जहां राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार की चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के साथ बैठक हुई। इसके बाद शिवसेना की ओर से कहा गया कि 5 साल तक उद्धव ठाकरे ही मुख्यमंत्री रहेंगे। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस अब स्थानीय चुनाव से लेकर लोकसभा तक सभी चुनाव अकेले लड़ेगी। महाविकास अघाड़ी में शामिल होने के बाद एनसीपी और शिवसेना अगला विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने की बात करती रहीं हैं, लेकिन कांग्रेस अपने इन दोनों सहयोगी दलों से सहमत नहीं दिखाई देती। प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस अगला चुनाव अकेले लड़ेगी। इससे पहले मुंबई कांग्रेस के नेता भी अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर ऐसा ही बयान दे चुके हैं। यदि कांग्रेस अपने इसी रुख पर कायम रही तो तीन दलों की महाविकास अघाड़ी बनाकर महाराष्ट्र में भाजपा को टक्कर देने की शरद पवार की योजना धूल धूसरित हो सकती है।

सरकार का कुशल मंत्रालय कौन सा?

मुंबई। कोरोना संकट के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सत्तापक्ष पर निशाना साधने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं। महंगाई, बेरोजगारी और गिरती अर्थव्यवस्था को लेकर राहुल लगातार सरकार पर हमला बोलते रहते हैं। इसी कड़ी में रविवार को राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि भारत सरकार का सबसे कुशल मंत्रालय कौन सा है। राहुल गांधी ने ट्वीट कर सवाल उठाया है और जवाब भी खुद ही दिया। राहुल गांधी ने ट्वीट कर पूछा, भारत सरकार का सबसे कुशल मंत्रालय कौन सा है? उसके बाद उन्होंने आगे लिखा, झूठ और फालतु नारे लगाने वाला गुप्त मंत्रालय। एक दिन पहले उन्होंने महामारी, महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरा था। राहुल गांधी ने ट्वीट में लिखा था, महामारी, महंगाई, बेरोजगारी जो सब देखकर भी बैठा है मौन, जन-जन देश का जानता है÷ इससे पहले राहुल गांधी ने बिना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के जाने वाले नागरिकों को टीका नहीं लगाए जाने को लेकर सरकार को घेरा था। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को टीका लगाया जाना चाहिए। भले ही उनके पास इंटरनेट नहीं है, उन्हें भी जीने का अधिकार है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, वैक्सीन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण ही काफी नहीं है। टीकाकरण केंद्र पर जाने वाले उन व्यक्ति को भी लाभ मिलना चाहिए जिनका ऑनलाइन पंजीकरण नहीं हुआ है।

उत्तराखंड नेता प्रतिपक्ष डॉ. इंदिरा का निधन

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष और उत्तराखंड कांग्रेस की वरिष्ठ नेता डॉ. इंदिरा हृदयेश का हार्ट अटैक से निधन हो गया है। आज सुबह उन्हें गंभीर हालत में दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। कांग्रेस की कद्दावर नेता की मौत से पार्टी को बड़ा झटका लगा है।कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने इंदिरा हृदयेश के निधन की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दिल्ली स्थित उत्तराखंड सदन में उन्हें हार्ट अटैक आया। बता दें कि वह दिल्ली में कांग्रेस संगठन की बैठक में शामिल होने गईं थीं। जहां रविवार की सुबह उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका निधन हो गया।

सबसे कम संक्रमित मामले हुए दर्ज लेकिन मौत के आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। पिदेश में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 80834 नए मामले दर्ज किए गए। स्वास्थ्य मंत्रालय की माने तो 71 दिनों बाद यानी कि दो अप्रैल के बाद कोरोना के सबसे कम दैनिक मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में सक्रिय मामलों की संख्या 11 लाख से भी कम हो गई है। मौजूदा समय में देश में 10,26,159 मरीजों का इलाज चल रहा है। वहीं बीते 24 घंटे में 1,32,062 मरीज ठीक होकर अपने घर वापस गए हैं। हालांकि इस दौरान चिंता की बात यह है कि बीते 24 घंटे में 3303 मरीजों ने इस खतरनाक वायरस के आगे दम तोड़ दिया है। इसके बाद कोरोना से मृतकों की संख्या 3,70,384 हो गई है।

राष्ट्रीय रिकवरी दर 95.26 फीसदी

इन नए मामलों के साथ देश में कोविड-19 की चपेट में अब तक आए लोगों की संख्या 2,94,39,989 हो गई है। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 10,26,159 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 3.49 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर सुधरकर 95.26 प्रतिशत है। शनिवार को 19,20,477 नमूनों की जांच की गई जिसके बाद देश में कोविड-19 के लिए की गई कुल जांच का आंकड़ा 37,62,32,162 हो गया जबकि दैनिक संक्रमण दर घटकर 4.25 प्रतिशत पर आ गई है। मंत्रालय ने बताया कि यह लगातार 20 दिनों से 10 प्रतिशत के नीचे बनी हुई है। साथ ही बताया कि साप्ताहिक संक्रमण दर भी पांच प्रतिशत से नीचे आ गई है और यह 4.74 प्रतिशत दर्ज की गई।

धर्मांतरण कानून लागू होते ही पीड़िता को कैसे हो गई अपने अधिकारों की जानकारी

हाईकोर्ट का सवाल

प्रयागराज। युवती से चार साल तक दुष्कर्म करने और धर्म बदलने के दबाव डालने के आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शिकायत दर्ज कराने वाली पीड़िता को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। कोर्ट ने कहा अपनी मर्जी से चार साल तक आरोपी के साथ रहने वाली पीड़िता को प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी अध्यादेश लागू होते ही अचानक अपने अधिकारों की जानकारी हो गई। उसके कृत्य से उसकी मानसिकता उजागर होती है। महोबा निवासी मुन्ना खान की जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने कहा कि पीड़िता याची के सभी कार्यों में अपनी मर्जी से सक्रिय सहभागी रही है। इससे जाहिर है कि वह अपनी इच्छा से आरोपी के साथ रह रही थी और यहां तक की दूसरे व्यक्ति के साथ शादी हो जाने के बाद भी उसने आरोपी से रिश्ते बनाए रखे। याची मुन्ना खान के खिलाफ पीड़िता ने चार मार्च 2021 को महोबा कोतवाली में आईपीसी की धाराओं के अलावा धर्मांतरण विरोधी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।आरोप है कि दोनों एक ही महोबा के एक ही मोहल्ले बजरिया में पिछले चार वर्षों से एक साथ रह रहे थे। उनके बीच शारिरिक संबंध थे। प्राथमिकी आरोप लगाया गया है कि मुन्ना खान ने पीड़िता की अश्नील तस्वीरें और वीडियो बना लिए थे जिनके आधार पर उसे ब्लैक मेल कर दुष्कर्म करता रहा। यह रिश्ता चार वर्षों तक लगातार चलता रहा और इस दौरान पीड़िता ने न कभी विरोध किया और न ही किसी से शिकायत की।आठ दिसंबर 2020 को पीड़िता ने दीपक कुशवाहा नाम के व्यक्ति से शादी की और दिल्ली चली गई। पीड़िता ने पुलिस और मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए बयान में कहा है कि 18 फरवरी 2020 को वह महोबा वापस आई और फिर अपनी बहन के साथ मुन्ना खान के यहां उरई में दो मार्च तक रही।

Whatsapp का User Interface

जल्द ही बदल जाएगा, ऐसी दिखेगी आपकी चेट

टेक डेस्क। सइंस्टेंट मैसेजिंग ऐप व्हाट्सएप अपने ग्राहकों का हमेशा ध्यान रखता है। वहीं समय के साथ अपने फीचर्स में बदलाव कर कुछ नयापन देने की कोशिश करता है। जिससे यूजर्स को किसी तरह की परेशानी ना हो। अब व्हाट्सएप जल्द ही नया अपडेट लेकर आने वाला है। कुछ दिन पहले नोटिफिकेशन ढ्ढ का कलर बदलने के बाद अब व्हाट्सएप ने अपने यूजर इंटरफेस में कुछ बदलाव किए हैं। हालांकि ये बदलाव अभी सिर्फ एंड्रॉइड बीटा यूजर्स के लिए किए गए हैं। यहां टेस्टिंग के बाद बाकी यूजर्स के लिए यह अपडेट लॉन्च किया जाएगा। बीटा टेस्टिंग कर रहे एंड्रॉइड यूजर्स को अब व्हाट्सएप चैट नए रूप में दिखाई देगी। व्हाट्सएप ने चैट लिस्ट को अलग करने वाली लाइन हटा दी है। की रिपोर्ट के अनुसार, यह एक छोटा अपडेट है, जिससे यूजर्स को ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, इससे एप के लुक में काफी बदलाव आ जाएगा। इससे ऐप के ओवरऑल एक्सपीरिएंस में कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। कंपनी इस फीचर की टेस्टिंग कर रही है। व्हाट्सएप इस बदलाव को धीरे-धीरे बीटा यूजर्स के लिए जारी कर रहा है। हालांकि Google Play Store से व्हाट्सएप के स्टेबल वर्जन या वेब वर्जन इस्तेमाल करने वाले आम यूजर्स को यह बदलाव बाद में दिखाई देगा। हाल ही में व्हाट्सएप ने बीटा यूजर्स के लिए नोटिफिकेशन के यूजर इंटरफेस में नया रंग जोड़ा है।

हज को लेकर सऊदी अरब का फैसला

कोरोना के कारण दूसरे मुल्कों के जायरीनों को एंट्री नहीं

रियाद। मुस्लिमों के पवित्र स्थल मक्का में लगातार दूसरे साल बाहरी मुल्कों के लोगों को एंट्री नहीं मिल पाएगी। सऊदी अरब की प्रेस एजेंसी ने शनिवार को हज एवं उमरा मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि कोरोना संक्रमण चलते दूसरे देश के लोगों को इस बार भी यात्रा की इजाजत नहीं दी जा रही है। सिर्फ 60 हजार स्थानीय लोगों (सऊदी अरब के निवासी) को ही इस बार धार्मिक स्थल पर आने की अनुमति होगी।बयान में कहा गया है कि इस साल हज 17 से 22 जुलाई तक होगा। इसमें 18 से 65 साल की आयु के लोग हिस्सा ले सकेंगे। हज यात्रियों के लिये वैक्सीनेशन अनिवार्य होगा। बयान में कहा गया है कि सऊदी अरब इस बात की पुष्टि करता है कि उसने हाजियों के स्वास्थ्य व सुरक्षा और उनके देशों की सुरक्षा के बारे में निरंतर विचार-विमर्श के बाद यह फैसला लिया है।

चिन्हित स्थलों से हो रहा सब्जी का क्रय-विक्रय

कटनी। नगर के चिन्हित अस्थाई स्थलों से ही फ्रूट एवं सब्जी का क्रय विक्रय करानें एवं अनुमति अनुरूप ही चिन्हित मार्गो पर नियमानुसार व्यवसायिक गतिविधियों को संचालित कराकर संक्रमण के प्रसार पर लगाम के प्रयास रोजाना निगम के गठित दल के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा प्रातः से किये जा रहे है। नोडल अधिकरी एवं उपायुक्त अशफाक परवेज के निर्देशन में गठित अमले द्वारा नगर के विभिन्न मार्गो में निरंतर निगरानी रखी जाकर सार्वजनिक स्थलों पर अनाधिकृत रूप से बैठकर अथवा सब्जी फलों का ठेला लगाकर व्यवसाय करनें वाले फुटकर दुकानदारों को फारेस्टर प्लेग्राण्ड एवं साधूराम स्कूल एवं अन्य चिन्हित स्थलों पर भेजनें व्यवसाय करानें की कार्यवाही की जा रही है। चिन्हित अस्थाई सब्जी एवं फ्रूट मंडी परिसरों में उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा स्थल पर आवश्यक व्यवस्थांए पूर्ण कराई जाकर व्यवसायियों को सोशल डिस्टेंसिग का पालन कराकर व्यवस्थित रूप से दुकान लगानें तथा मास्क की अनिवार्यता के साथ व्यवसाय करनें की कार्यवाही की जा रही है। सब्जी फ्रूट खरीदनें वाले नागरिकों को भी मास्क की अनिवार्यता के साथ सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करानें के निर्देश दिये जाकर संक्रमण के प्रसार को राकनें के प्रयास अनवरत जारी है। निगमायुक्त श्री सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में नागरिकों एवं व्यवसायियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए निगम के अतिक्रमण अमले द्वारा निगम वाहनों के माध्यम से नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्रों के मुख्य मार्गो सहित चिन्हित सब्जी मंडी परिसरों में कल 13 जून 2021 दिन रविवार को लॉकडाउन होनें के कारण आवश्यक सेवाओं को छोडकर अन्य समस्त गतिविधियां बंद रहनें की उद्घोषणा का कार्य कराया गया।

शहर की सुचारु सफाई व्यवस्था में जुटा निगम का स्वास्थ्य अमला

कटनी। जिला कलेक्टर एवं प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में निगम के स्वास्थ्य अमले के स्वच्छता दूतों द्वारा दो पालियों के माध्यम से नगर की सुचारू सफाई व्यवस्था की जाकर नगर को संक्रमण मुक्त रखनें के साथ ही वर्षा पूर्व नगर के बडे एवं छोटे नाले-नालियों की सफाई का कार्य अभियान चलाकर रोजाना कराया जा रहा है। निगम के स्वच्छता दूतों द्वारा विगत दिवस रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था के माध्यम से गोल बाजार, स्टेशन रोड मुख्य मार्ग, सुभाष चौक सहित नगर के अन्य मार्गो की सफाई का कार्य किया जाकर नगर को स्वच्छ रखनें के प्रयास किये गए। प्रातःकालीन सफाई के माध्यम से ट्रांसपोर्टनगर थोक सब्जी मंडी सहित चिन्हित अन्य फुटकर फल एवं सब्जी मंडी के स्थलों की सफाई एवं चूने की लाईनिंग, सांई मंदिर से इंदिरा नगर तक डिवाइडर की सफाई, बस स्टेण्ड परिसर, मुख्य मार्गो के तहत पन्ना मोड, मिशन चौक, भट्ठा मोहल्ला, बरगवां मुख्य मार्ग एवं डिवाईडर के नीचे, कावस जी वार्ड स्थित सुलभ काम्पलेक्स की सफाई कार्य सहित डोर टू डोर कचरे के संग्रहण का कार्य किया जाकर नगर को साफएवं स्वच्छ रखनें के प्रयास किये गए।

जलप्लावन की समस्या से निदान हेतु वर्षा पूर्व नाले नालियों की सफाई अभियान के तहत इंदिरा नगर गली नंबर 6 की नालियों, बस स्टेण्ड की नालियों वीर सावरकर वार्ड स्थित बाहुबली कॉलोनी की कच्ची नालियों, फारेस्टर वार्ड स्थित एम्बुलेंस रोड की नालियों एवं मुक्तिधाम के पास नाले की सफाई, कावसजी वार्ड मलिन वंशकार बस्ती की नालियों तथा शमशान भूमि के सामनें वाले नाले एवं भट्ठा मोहल्ला रवि पंडा के सामने वाले बडे नाले की सफाई का कार्य, सी.एल.पी पाठक वार्ड के विभिन्न स्थलों की नालियों की सफाई संत कवरराम वार्ड स्थित देशी कलारी के सामनें वाली नाली, रविन्द्र नाथ टैगोर वार्ड के बडे नाले की सफाई सहित नगर के अन्य स्थलों के नाले एवं नालियों की सफाई का कार्य आज प्रातः निगम के नाला सफाई में संलग्न स्वच्छता दूतों की गेंग के माध्यम से कराया गया।

बाल श्रम कानूनों की दी जानकारी

कटनी। 12 जून को बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस के रुप में मनाया गया। कटनी जिले में राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना के सहयोग से कोविड गाईड लाईन का पालन करते हुये जागरुकता अभियान प्रारंभ किया गया है। जिसके तहत बाल श्रम निषेध के अभियान अंतर्गत श्रम विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं चाईल्ड लाईन के समन्वयक, कार्यकर्ता जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होटल, रेस्टॉरेन्ट, गैरेज, वर्कशॉप एवं अन्य दुकानों में भ्रमण किया।

इस दौरान अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी नियोजकों को प्रदान की। साथ ही कानून के प्रावधान के पालन में सहमति भी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि बाल एवं कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियम) अधिनियम 1986 संशोधित अधिनियम 2017 के प्रावधान अनुसार किसी भी संस्थान में 14 वर्ष तक के बालकों का नियोजन तथा कारखाने, ज्वलनशील पदार्थ, विस्फोटक एवं परिसंकटमय प्रक्रियायें में 18 वर्ष तक के कुमार श्रमिक का नियोजन पूर्णतः प्रतिबंधित है। उल्लंघन की दशा में 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा या 5000 से लेकर 50 हजार तक का जुर्माना अथवा दोनों से दण्ड का प्रावधान है।

जिले में 9.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। कटनी जिले में 1 जून से 12 जून तक कुल 56.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले की कुल सामान्य वर्षा 1124.4 मिमी है। गतवर्ष इस अवधि में कुल वर्षा 42.8 मिमी दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 जून को कुल 9.8 मिमी औसत वर्षा कटनी जिले में दर्ज की गई है। तहसीलवार दर्ज वर्षा अनुसार 12 जून को कटनी तहसील में निरंक, रीठी तहसील में 1 मिमी, बड़वारा तहसील में निरंक, बरही तहसील में निरंक, विजयराघवगढ़ तहसील में निरंक, बहोरीबंद तहसील में 15 मिमी, स्लीमनाबाद तहसील अन्तर्गत 9 मिमी और ढीमरखेड़ा तहसील अन्तर्गत 5.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

कटनी। भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर एनएसयूआई के जिला सोशल मीडिया प्रभारी अर्पण परौहा एवं उनके साथियों ने बड़ी संख्या में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के सदस्यों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। ये सभी नवयुवक भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा की कार्यप्रणाली, सकंट के वक्त कटनी की हर वक्त चिंता कर मदद पहुंचाने, कटनी को विकसित बनाने की पहल आदि से प्रभावित हैं। भाजपा ने युवाओं को भाजपा का स्कार्फपहनाकर पार्टी में उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर एनएसयूआई के जिला सोशल मीडिया प्रभारी अर्पण परौहा एवं उनके साथी कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिस पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष एवं समस्त कार्यकर्ता दिनरात जन सेवा में तल्लीन है उसी पार्टी में देश और युवाओं का भविष्य सुरक्षित है। सांसद वीडी शर्मा की सक्रियता से प्रभावित होकर वह भाजपा के परिवार में शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष मृदुल द्विवेदी, मयंक गुप्ता, आशीष मिश्रा, दीपक तिवारी, नवीन मोटवानी, विमल साहू, मोनू यादव, विष्णुशंकर मिश्रा, दीपक चौधरी, आशीष तिवारी, मनीष विश्वकर्मा, राहुल गुप्ता, अतुल चौबे, अनुराग त्रिपाठी, राहुल खरे, अंकित तिवारी, तृषाल मिश्रा, संस्कार तिवारी, अमन चनपुरिया, शिवम अभिषेक बेन, यशदीप पटेल, विशाल तिवारी, राहुल दुबे, अनुराग प्यासी, शिवम, शानू हल्दकार, निखिल विश्वकर्मा, भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निगमायुक्त ने की सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा

अधिकारियों कर्मचारियों को दिए संतुष्टिपूर्ण निराकरण करानें के निर्देश

कटनी। सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण हेतु निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे द्वारा निगम कार्यालय में 12 बजे से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान निगम की विभिन्न शखाओं राजस्व शाखा, साफ-सफाई, पेयजल, सिविल, सीवेज, भवन अनुज्ञा, अस्थाई अतिक्रमण, प्रकाश व्यवस्था, यांत्रिकी योजना प्रकोष्ठ, स्थापना पेंशन, सामान्य प्रशासन, जनकल्याणकारी योजनायें, कर्मचारी पेंशन, स्थाई अतिक्रमण तथा मुख्यमंत्री युवा स्वाभिमान योजना से संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों से शिकायतों के लंबित होनें का कारण एवं निराकरण हेतु कृत कार्यवाही सहित दर्ज प्रतिवेदन से अवगत होते हुए शेष लंबित प्रकरणों का आगामी तीन दिवस में संतुष्टिपूर्ण निराकरण करानें के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की साफ सफाई से संबंधित शिकायतों का दो दिवस में संतुष्टिपूर्ण निराकरण करानें तथा निराकरण में परेशानी आनें पर अवगत करानें, भवन अनुज्ञा संबंधी शिकायतों पर स्थल निरीक्षण करते हुए नियमानुसार निराकरण की

कार्यवाही करनें, अतिक्रमण एवं स्थाई अतिक्रमण से संबंधित शिकायतों पर तीन दिवस के अंदर कार्यवाही कर निरकारण प्रतिवेदन दजे करानें, पात्रता पर्ची संबंधी शिकायतों पर शिकायतकर्ता से बात कर आगामी तीन दिवसों में शिकायतों को निराकरण करानें, प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत हितग्राहयों के सर्वे आदि का कार्य शीध्र पूर्ण कराकर पात्र हितग्राहियों की मैपिंग एवं जियोटेगिंग सहित डी.पी.आर तैयार करनें व शिकायतों के निराकरण हेतु शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर कृत कार्यवाही से अवगत कराकर शिकायत का निराकरण करानें, सिविल एवं सीवेज संबंधी शिकायतों पर स्थल का निरीक्षण करते हुए नियमानुसार शिकाकत का निराकरण करानें के निर्देश प्रदान किए।

बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री धाकरे नें उपस्थित अधिकारियों -कर्मचारियों को अपनी शाखाओं से संबंधित लंबित शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा करनें तथा अन्य शाखा की शिकायतों को शीध्र ही संबंधित शाखा की ओर अंतरित करनें, सी.एम.हैल्पलाईन की लंबित शिकायतों के संतुष्टीपूर्ण निराकरण में किसी भी प्रकार से कौताही बरतनें पर संबंधित पर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए।

आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त अशफाक परवेज, कार्यवालन यंत्री शैलेष जायसवाल, प्रभारी कार्यपालन यंत्री राकेश शर्मा, उपयंत्री अनिल जायसवाल, जे.पी सिंह बघेल, एस.के.गर्ग, मृदुल श्रीवास्तव, रवि हिनौते, मोना कारेरा, प्रभारी कार्यालय अधीक्षक नागेन्द्र पटैल, एन.यू.एल.एम. सिटी मेनेजर अमित प्रकाश, प्र.राज.अधि. जागेश्वर पाठक, अनिल त्रिपाठी प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी एम.एल.निगम, महेन्द्र सिंह परिहार, प्र.स्व.निरीक्षक तेजभान सिंह, अतिक्रमण निरीक्षक प्रशांत परौहा, आलोक तिवारी, सहित विभाग के अन्य अधिकारियों कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

नीलिमा से

पावन मन का मीत

बरगद पर बंधे लाल पीले पवित्र धागे
पीपल के नीचे जले आस्था के दीप
कंठ में सजी रूद्राक्ष सी दुर्लभ प्रीत
तुलसी सा निर्मल पावन मन का मीत

सुबह की अज़ान और शाम की वंदना
ईश्वर की इबादत में समर्पित पुष्प अर्घ्य
कृष्ण की बांसुरी सा मीठा सुरीला संगीत
विस्तृत विस्तार नभ सा पावन मन का मीत

निश्छल सौम्य प्रेम अगाध सरल समभाव
शाश्वत दिव्य अलौकिक प्रेम परिभाषित
प्रखर प्रेम रस अलाप राग हृदय से बंधी रीत
अखंड ज्योत प्रकाश सा पावन मन का मीत

निःस्वार्थ अविनाशी अचल कर्म अटल स्वभाव
कर्तव्य पथ पर अग्रसर भक्ति पुलकित भाव
आस विश्वास अविरल प्रकाश सत्य से प्रीत
उपासना की रीत सा पावन मन का मीत

नीले उफुक पर चमकता अडिग ध्रुव तारा
दरिया में बहता पानी, हवाओं की रवानी
वाणी में संयम शांत मुख, नेह सागर चित्त
पंचामृत के प्रसाद सा पावन मन का मीत !!!

- नीलिमा पाठक सामंतरे

मैं हिन्दोस्तान का ध्वज हूँ, मेरा परचम हो दुनिया में

कवि दरबार में गूंजे काव्य स्वर

कटनी। सिटी टेलीविजन नेटवर्क द्वारा आयोजित कवि दरबार में निर्देशक सम्भव रांधेलिया के निर्देशन हास्य व्यंग्य शिल्पी प्रकाश प्रलय के संयोजन संचालन में, कवियत्री प्रियंका मिश्रा, अथर्व तिवारी, आशीष शर्मा, शुभम, एवं सुरेन्द्र गुप्ता ने गीत, ग़ज़ल, मुक्तकों से वातावरण को काव्य रस से सिंचित कर दिया। छायांकन सहयोग शरद, एवं सम्पादन अंकुश कुमार, अंकित परौहा के द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम के सम्पादित अंश सीटीएन के प्राइम चैनल पर प्रति गुरुवार एवम शनिवार रात्रि सीटीएन हलचल के बाद प्रसारित किये जाएंगे। शिवम मिश्रा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

यदि आप तक समय पर
यश भारत
नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें
फोन :- 230033

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT-Epaper

पंचायतों में हुए निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की होगी जांच

ग्रामीणों की शिकायत पर सीईओ ने बनाई 5 सदस्यीय कमेटी, ग्राम पंचायत करहिया नंबर एक का मामला

कटनी/रीठी। केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं में प्रदत्त की जाने वाली राशि के गबन सहित निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलने के बाद अब इनकी जांच शुरू हो गई है। ऐसा ही एक मामला जनपद पंचायत रीठी के अंतर्गत ग्राम पंचायत करहिया नंबर एक में सामने आया है, जहां विभिन्न निर्माण कार्यों में मिल रही शिकायतों के बाद सीईओ ने जांच के लिए एक 5 सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति को तीन दिन के अंदर शिकायतों की जांच करते हुए रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है। समिति में दल प्रभारी खंड पंचायत अधिकारी एम एल कोल, एपीओ मनरेगा अजीत सिंह, बीसी पीएमएवाय जयलाल पाण्डेय, उपयंत्री डी डी बैन एवं पीसीओ डीलन सिंह को शामिल किया गया है। इस संबंध में बताया जाता है कि विगत 10 जून को जनपद पंचायत रीठी के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमगवा में विशाल वेक्सिनेशन केम्प का आयोजन किया गया था। इस दौरान ग्राम पंचायत करहिया नंबर एक के ग्रामीण व उप सरपंच भोलाराम पटेल ने लंबित शिकायतों की जांच नहीं होने पर क्षेत्रीय विधायक प्रणय पांडेय व कलेक्टर प्रियंक मिश्रा का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया था। जिस पर विधायक श्री पांडे ने रीठी सीईओ प्रदीप सिंह को जांच दल गठित कल त्वरित जांच के निर्देश दिए थे। सीईओ रीठी द्वारा 10 जून को ही जांच दल गठित कर शिकायतों की जांच के जारी किए। जांच दल को 3 दिवस के अंदर जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है। बताया जाता है कि ग्राम पंचायत करहियां नंबर एक में कभी भी दल के अधिकारी जांच करने के लिए पहुंच सकते हैं।

खाद्यान्न वितरण में भारी अनियमितताएं

विजयराघवगढ़। जिला प्रशासन द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकानदारों को गरीब हरिजन आदिवासियों को 3 माह का निशुल्क खाद्यान्न प्रदाय करने सख्त निर्देश दिए गए हैं ताकि बंद के दौरान गरीब एवं अति गरीब तबके के लोगों को खाद्यान्न सामग्री की कमी से भूखे मरने की स्थिति न हो सके। किंतु तहसील क्षेत्र के अनेकों उचित मूल्य दुकानदारों की मनमानी व हठधर्मिता की शिकायत हितग्राहियों द्वारा की जा रही है, कहीं 2 माह का खाद्यान्न दिया जा रहा है, तो कहीं खाद्यान्न की राशि ली जा रही है। किसी दुकान में केवल गेहूं व किसी दुकान में केवल चावल देकर हितग्राहियों को चलता कर दिया जाता है। विगत दिनों खाद्य निरीक्षक द्वारा गोपनीय तरीके से जांच कर खानापूर्ति की गई है जबकि जांच के अवसर पर उपभोक्ताओं से भी पूछताछ आवश्यक होती है। तहसील क्षेत्र के कारी तलाई परसवारा बम्होरी सिंगगोड़ी जिवारा सहित शासकीय उचित मूल्य दुकानों में भ्रष्टाचार की स्पष्ट बू आ रही है कलेक्टर से जना अपेक्षा है की ऐसे दुकानदारों की जांच कर सख्त कार्यवाही के आदेश दिए जाएं।

प्रदीप बड़गैंया के निधन पर जताया शोक

विजयराघवगढ़। विजयराघवगढ़ सेवा सहकारी समिति मर्यादित के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी प्रदीप बड़गैंया का विगत दिनों से जबलपुर में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान विगत दिवस उनका निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार जबलपुर मुक्तिधाम में ही किया गया। जिस की खबर लगते ही नगर सहित समूचे क्षेत्र में दुख की लहर दौड़ गई। दुख की इस घड़ी में पूर्व मंत्री एवं विधायक संजय सत्येंद्र पाठक द्वारा गहन शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। निधन पर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष अरविंद बड़गैंया, विनोद मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष मिश्रा, देवेंद्रधर बड़गैंया, गुड्डू बड़गैंया, प्रमोद मिश्रा, पी डी अवस्थी, आर एन गर्ग, सुनील बड़गैंया, प्रवेश मिश्रा, जागेश्वर प्रसाद मिश्रा, अजय त्रिपाठी, हरीश दुबे, मोहन लाल तिवारी, संतोष तिवारी, श्री राम तिवारी, घनश्याम गुप्ता, संजय मिश्रा, ओमप्रकाश शर्मा, राकेश गुप्ता, गुड्डा सोनी, शिवकुमार पांडे, विकास दत्त मिश्रा, ललन बड़गैंया, प्रमोद गुप्ता, आशुतोष सराफ, मो लईक, धर्मेंद्र त्रिपाठी, मुन्नू गुप्ता सहित सेवा सहकारी समिति के समस्त कर्मचारी, जिला सहकारी बैंक के समस्त कर्मचारी, समिति प्रबन्धक एवं समस्त सेल्समैनों ने शोक व्यक्त किया है।

वैक्सीन लगवाने सहायिका एवं कार्यकर्ताओं ने किया जागरूक

विजयराघवगढ़। नगर परिषद विजयराघवगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत शासकीय चिकित्सालय विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विनोद के निर्देशन में कार्यरत आशा सहायिकाओं द्वारा वैक्सीन लगवाने लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है, वहीं नगर के सामाजिक कार्यकर्ता भी जन-जन को जागरूक करने पीछे नहीं है, जिसके फलस्वरूप देखा जा रहा है कि शासकीय चिकित्सालय एवं उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बने वैक्सीन सेंटर में 18 से 45 एवं अधिक उम्र के लोगों में भी वैक्सीन लगवाने जागरूकता देखी जा रही है। इस पुनीत कार्य में आशा सहायिका शिवनंदनी नामदेव, पार्वती सेन एवं सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद बड़गैंया, रामचरण साहू, मोहम्मद जमील खान, मोहम्मद जुबेर सहित नगर के लोगों द्वारा वैक्सिंग लगवाने मास्क लगवाने सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखने जागरूक किया जा रहा है।

अधिवक्ता मंच युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री बने नितिन

कटनी। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र कुमार वलेजा एवं युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र जादवानी की सहमति से शहर के युवा अधिवक्ता नितिन विश्वकर्मा को अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश महामंत्री नियुक्ति किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र कुमार वलेजा ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए अपेक्षा की है कि श्री विश्वकर्मा अधिवक्ता हित एवं कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य करेंगे।

पति की लंबी आयु की कामना हेतु व्रत रख किया पूजन

विजयराघवगढ़। ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष अमावस्या को वट सावित्री का व्रत रखकर सुहागन महिलाओं ने अखंड सौभाग्य की कामना, परिवार की सुख समृद्धि हेतु वट वृक्ष के नीचे पूजन करने शुद्ध वस्त्र धारण कर वंश पात्र में पूजन की सामग्री रखकर सत्यवान एवं सावित्री की पूजन करने पचंतठा धाम स्थित विशालकाय वटवृक्ष के नीचे पहुचकर शास्त्रोक्त विधि से पंचोपचार पूजन कर मेवा मिष्ठान्न का भोग लगा कर कथा श्रवण की। पति की लंबी आयु की कामना करते हुए वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए रक्षा सूत्र का बंधन बांधा। उपस्थित महिलाओं द्वारा मंगलगान उपरांत हवन कर द्रव्य दक्षिणा अर्पण कर आरती व प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर श्रीमति रजनी मिश्रा, श्री मति मंजू लता अवस्थी, श्रीमति वर्षा अवस्थी, श्रीमति राधा मिश्रा, श्रीमति कृष्णा गुप्ता, भाग्यवती चतुर्वेदी, श्रीमति निर्मला शर्मा, श्रीमति अंजू पाटकर, श्रीमति पुष्पा सोनी, श्रीमतिजमुनी गुप्ता सहित नगर की महिलाओं की उपस्थिति रही।

बिलिंग से पहले होगा बिल का सत्यापन

बढ़े बिजली बिल रोकने बिजली कंपनी की नई कवायद

अब बिलिंग साफ्टवेयर में बदलाव कर चेकिंग पाइंट से चिन्हित होंगे असामान्य बिल

कटनी। मनमाने बिजली बिलों की समस्या से जूझ रहे उपभोक्ताओं को मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अब राहत देने की तैयारी में है। कंपनी ने अब बिलिंग साफ्टवेयर में बदलाव कर चेकिंग पाइंट तैयार किया है जो असामान्य बिल को चिन्हित करेगा। जिसे अफसर जांच करेंगे। ये काम बिल जारी होने से पहले होगा ताकि उपभोक्ताओं को सही खपत के बिजली बिल जारी हो सके।

बढ़े बिलों को चिन्हित कर की जाएगी जांच

कंपनी प्रबंधन का दावा है कि उपभोक्ता की वास्तविक खपत से 20 से 30 फीसद से ज्यादा बिजली बिल जारी होने पर ही साफ्टवेयर उसे पकड़ेगा। इसके लिए वितरण केंद्रवार निगरानी की व्यवस्था दी है। यदि किसी वितरण केंद्र में दस हजार रुपये की बिलिंग हो रही है और अगले माह वहीं की बिलिंग 12 से 15 हजार रुपये हो रही है तो साफ होगा कि बिलिंग बढ़ी हुई है। ऐसे में बढ़े हुए बिलों को चिन्हित कर उनकी जांच की जाएगी। ये काम वाणिज्य विभाग के स्तर पर होगा। वहां बिलिंग इंटेलीजेंस यूनिट के अधिकारी बिल का ब्योरा जांचेंगे। कंपनी का मानना है कि वाणिज्य विभाग के पास ही सबसे ज्यादा इस संबंध में शिकायत मिल रही है। इस काम को जून से ही प्रारंभ किया गया है।

दोहरी होगी जांच

बिजली कंपनी अभी भी वितरण केंद्र स्तर पर बिलिंग की जांच का दावा करती है लेकिन काम की व्यस्तता का हवाला देकर अधिकारी फौरी जांच कर पल्ला झाड़ लेते हैं। अब मुख्य अभियंता स्तर पर इसकी जांच होगी। यदि ज्यादा बिलिंग में गड़बड़ी मिलती है तो वहां के संबंधित अधिकारी से सवाल जबाव किया जाएगा।

कोरोना ने बदला शादियों का अंदाज

युवाओं के बीच लोकप्रिय हुआ माइक्रो वेडिंग ट्रेंड

भीड़ कम होने से मजा हुआ दुगना

कटनी। शादी को पूरे रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से करना और दूर-दूर के रिश्तेदारों को भी न्योता देने का सिलसिला मानो थम सा गया है। इसके साथ ही अब रिश्तेदारों के रूठने और मनाने की परंपरा भी अब समाप्त होती नजर आ रही है। कोरोना के कारण शादी करने का पूरा अंदाज ही बदल गया है और यह अंदाज भले ही घर के बड़े बुजुर्गों को पसंद न आए लेकिन युवाओं को बेहद पसंद आ रहा है। शादी को पूरे रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से की जा रही है लेकिन बस भीड़ न होने से इसका मजा और भी बढ़ गया है। कोरोना की वजह से आया माइक्रो वेडिंग ट्रेंड युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय होता जा रहा है।

बिना कर्ज हो रही शादियां

दिखावे के चक्कर में लोग शादी पर इतना खर्च कर देते हैं कि उन पर अच्छा खासा कर्ज चढ़ जाता है। मगर माइक्रो वेडिंग में लोग अपनी शादी एकदम बजट फ्रेंडली तरीके से कर सकते हैं।

क्या है माइक्रो वेडिंग ट्रेंड

इस तरह की शादियों में दूल्हे और दुल्हन के अलावा उनके परिवार के बेहद करीबी और अतिथि शामिल होते हैं। इस शादी में कम से कम लोगों को बुलाया जाता है। शादी में शामिल होने वाले लोगों की संख्या अधिकतम 50-100 और कम से कम 20-25 हो सकती है। बावजूद इसके इस तरह की शादी भी बेहद शानदार तरीके से की जाती है।

कोरोना में हो रही शादियों के कई फायदे

भारतीय संस्कृति में तमाम रीति रिवाजों के साथ अच्छे से शादी करने में लोग काफी पैसे खर्च करते थे। शादी में जितनी भीड़ होती है वो शादी उतनी ही भव्य मानी जाती है। मगर कोरोना के दौरान माइक्रो वेडिंग ट्रेंड आते ही इस तरह की शादी का चलन कम हो गया है। अब लोग कम से कम भीड़ में शादी करना पसंद कर रहे हैं।

रूठने-मनाने का चलन भी हुआ खत्म

ग्रैंड शादियों में गेस्ट की संख्या भी ज्यादा होती है। ऐसे में अगर किसी रिश्तेदार की खातिरदारी में कोई कमी रह जाए तो वो आपसे रूठ जाते थे लेकिन माइक्रो वेडिंग के कारण कम से कम अतिथि को बुलाया जा रहा है। इस कारण लोगों के रूठने मनाने के चलन में भी कमी हुई है।

सजावट में भी हुई कटौती

माइक्रो वेडिंग में लोग कम होते हैं तो किसी छोटे स्पेस पर इसे किया जा सकता है। इसमें कम खर्च में पूरी वेडिंग डेस्टिनेशन की सजावट की जा सकती है। आम तौर पर होने वाली शादियों में स्पेस बड़ा होता है जहां पर अलग-अलग जगहों पर सजावट कर खर्च बढ़ जाता है।

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन :- 230033

किराये से देना है
सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति
सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति
पता- बीजेपी कार्यालय के सामने
जबलपुर रोड बरगवां कटनी (म.प्र.)
मो. 8109417340

एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग
Ph. : 07622 - 405074, Mob. 7771001902
Email. : mgmnursingkte@gmail.com | Website : mgmnursingcollege.com
जिले के सर्वप्रथम पोस्ट बेसिक BSc.नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ
विशेषतायें
डिप्लोमा जी.एन.एम. नर्सिंग उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पोस्ट बेसिक BSc. डिग्री नर्सिंग कोर्स करने का सुनहरा अवसर दो वर्षों में BSc. नर्सिंग करें।

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	शैक्षणिक अर्हता
1	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	4 वर्ष	12 वीं (बायोलॉजी)
2	जी.एन.एम. (नर्सिंग)	3 वर्ष	12 वीं
3	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी.(नर्सिंग)	2 वर्ष	GNM उत्तीर्ण

छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन द्वारा नियमानुसार प्रदान की जाती है
SC / ST/ OBC
छात्रावास एवं मेस (भोजन) की सुविधा
जिला अस्पताल कटनी, मनोरोग चिकित्सालय इंदौर में प्रशिक्षण
मान्यता प्राप्त - इण्डियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली, म.प्र. चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, म.प्र. स्टेट नर्सिंग काउंसिल भोपाल, म.प्र.मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर

डर वर्सेज डेयर का बैटलग्राउंड

नई दिल्ली। मोस्ट अवेटेड रियाटिली शो खतरों के खिलाड़ी की पहली झलक आपके सामने आ चुकी हैं। धमाकेदार एक्शन, स्टंट और टास्क से भरपूर सीजन 11 का प्रोमो रिलीज हो चुका है। इस प्रोमो में रोहित शेट्टी खतरनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं। इससे ये पता चलता है कि केप टाउन का खूबसूरत मैदान अब बहुत जल्द युद्ध के मैदान में बदलने वाला है। इस बार शो कीथीम डर वर्सेज डेयर का बैटलग्राउंड हैं जहां 13 कंटेस्टेंट अपने अपने डर का सामना करते नजर आएंगे।

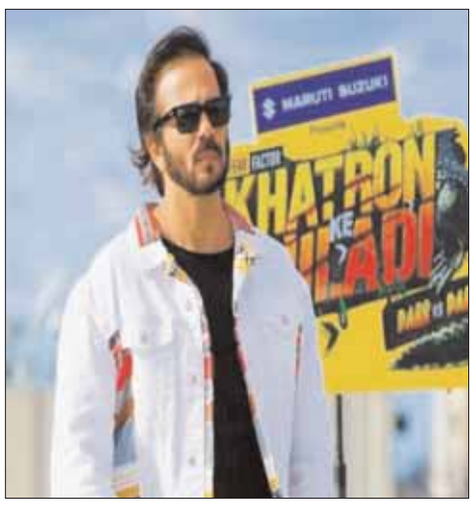

रोहित शेट्टी ने शेय किया प्रोमो

खतरों के खिलाड़ी 11 यानि चय्य11 का प्रोमो रोहित शेट्टी ने अपने सोशल अकाउंट पर शेयर किया है। जिसमें वो कहते दिखाई दे रहे हैं- ये कोई आम बैटल ग्राउंड नहीं है। यहां ना कोई बहाना, ना कोई रहम और ना कोई सरेंडर। यहां कदम-कदम पर बढ़ेगा डर और डेयर के वॉरियर्स देगें उसे कड़ी टक्कर। ये है डर और डेयर का बैटल ग्राउंड... वेलकम टू केपटाउन। इस प्रोमो में रोहत के साथ चील और चीता भी नजर आ रहा है।

केप टाउन में शुरू हो चुका है घमासान

इस बारचय्य11 में कंटेस्टेंट के तौर पर राहुल वैद्य, अर्जुन बिजलानी, अभिनव शुक्ला, दिव्यांका त्रिपाठी आस्था गिल, सौरभ राज जैन, महक चहल, अनुष्का सेन, श्नेता तिवारी, सना मकबुल, निक्की तंबोली, विशाल आदित्य सिंह और वरुण सूद नजर आने वाला हैं। बता दें कि ये स्टार्स पिछले महीने ही केप टाउन पहुंच चुकें हैं जहां इनके बीच खतरों का खेल शुरू हो चुका है।

जल्द आने वाला है शो

इसमें से कई कंटेस्टेंट बिग बॉस 14 का हिस्सा भी रह चुके हैं। वहीं इस बार फिर ये सारे प्रतियोगी एक दूसरे के डर का भी सामना करते नजर आएंगे। बहुत जल्द ये शो दर्शकों के सामने होगा। हालांकि ये प्रतियोगी केप टाउन से अपनी फोटोज शेयर कर रहे जो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं।

एक ही फ्रेम में रामायण की सीता का पूरा परिवार

नई दिल्ली। रामानंद सागर का चर्चित सीरियल रामायण लॉकडाउन में पुन:प्रसारित किया जा रहा है। रामायण आज भी घर-घर में लोकप्रीय है। रामायण ने टीआरपी के अबतक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। रामायण के फिर से शुरू होने के बाद इस शो के सभी स्टारकास्ट एक बार फिर से लाइम लाइट में आ गए हैं। वहीं इस शो में सीता का किरदार निभा चुकीं दीपिका चिखलिया भी सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी सक्रीय हैं। दीपिका लगातार शो से जुड़ी तस्वीरें और वीडियोज के साथ अपनी और फैमिली की फोटोज शेयर करती नजर आ रही हैं। इसी बीच दीपिका ने अपनी फैमिली संग तस्वीरें शेयर की हैं। दीपिका चिखलिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी फैमिली की तस्वीर शेयर की है। पहली फोटो में दीपिका के साथ उनके पति और दोनों बेटियां और एक लड़का नजर आ रहा हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में दीपिका उनके पति और दोनों बेटियां हैं। इस दौरान सभी काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं तस्वीर में आप देख सकते हैं कि दीपिका वनपीस ड्रेस में काफी मॉर्डन लग रही हैं। वहीं देखा जाए तो पहली नजर में दीपिका ने खुद को इतना मेंटेन कर रखा है कि बेटियों और मां में अंतर कर पाना काफी मुश्किल होगा। दीपिका की इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रसे ने कैप्शन में लिखा, %परिवार =और परिवार की सुख-सुविधाएं...बीमारी, सेहत, मौज-मस्ती, बुरे समय में....दूसरें साथ छोड़ देते हैं लेकिन परिवार एक साथ खड़े रहते हैं।%आपको बता दें कि %रामायण% में सीता माता के किरदार के अलावा दीपिका विक्रम और बेताल, लव-कुश, 'दादा-दादी की कहानी, द स्वोर्ड ऑफ टीपू सुल्तान% जैसे कई सीरियल के जरिए भी दर्शकों का मनोरंजन चुकी हैं। वहीं अब दीपिका जल्द ही सरोजनी नायडू की बायोपिक में भी नजर आने वाली हैं। इसके अलावा अगर उनकी फिल्मों की बात करें तो उन्होंने साल 1983 में आई फिल्म %सुन मेरी लैला% से करियर की शुरुआत की थी। इसके अलावा उन्होंने भगवान दादा, चीख, खुदाई, रात के अंधेरे में जैसी फिल्मों में काम किया। वहीं हिंदी सिनेमा में ही नहीं दीपिका ने बंगाली और तमिल फिल्म में भी अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा। वहीं दीपिका ने बंगाली और तमिल फिल्म में भी काम किया है। हाल ही में दीपिका चिखलिया को आयुष्मान खुराना, यामी गौतम और भूमि पेडनेकर स्टारर %बाला% में देखा गया था। इस मूवी में उन्होंने यामी गौतम की मां कि किरदार निभाया था।

सोशल मीडिया पर करीना कपूर का विरोध

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान के खिलाफ ट्विटर पर मुहिम छिड़ी हुई है। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। ट्रोलर्स करीना का बहिष्कार करने की बात कह रहे हैं। #BoycottKareenaKhan ट्विटर पर ट्रेंड कर रहा है। दरअसल Kareena Kapoor के बारे में एक खबर सामने आई थी कि उन्होंने सीता का रोल करने के लिए 12 करोड़ रुपये मांगे हैं। इसके बाद लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। कुछ यूजर्स ने तो यहां तक कह दिया कि वो सीता के रोल में किसी दूसरे धर्म की एक्ट्रेस को स्वीकार नहीं कर सकते। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब धार्मिक भावनाओं के आधार पर किसी एक्टर को ट्रोल किया गया हो। इससे पहले तांडव वेब सीरीज करने पर करीना के पति सैफ अली खान भी परेशानी में फंस गए थे। उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था। उनके साथ तांडव वेब सीरीज की पूरी टीम को परेशानी का सामना करना पड़ा था।

दूसरी बार मां बनी हैं करीना

Kareena Kapoor खान हाल ही में दूसरी बार मां बनी हैं और कोरोनाकाल में अपने बच्चों के साथ समय बिता रही हैं। वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपने परिवार के साथ फोटो शेयर करती रहती हैं। हालांकि, उन्होंने अपने छोटे बेटे की फोटो अभी तक शेयर नहीं की है। वो अपने छोटे बेटे को लाइमलाइट और सोशल मीडिया से दूर रखना चाहती हैं।

सीता के नजरिए से बन रही है फिल्म

खबरें सामने आई थीं पौराणिक महागाथा के मेकर्स ने 'सीता' का रोल करीना को ऑफर किया है। Kareena Kapoor ने भी इसके लिए हां कर दी है, पर उन्होंने 12 करोड़ की फीस मांगी है। यह फिल्म सीता के नजरिए से बनाई जाएगी। सीता के रोल के लिए करीना का मोटी फीस मांगना कुछ लोगों को पसंद नहीं आया और उन्होंने करीना को जमकर ट्रोल किया। लोगों का कहना है कि करीना इस रोल के लायक नहीं हैं। यूजर्स खबर के स्क्रीनशॉट्स को शेयर करते हुए करीना को बॉयकॉट की मांग कर रहे हैं। ट्विटर पर हैशटैग बॉयकॉट करीना कपूर खान (#BoycottKareenaKhan) ट्रेंड हो रहा है। काम की बात करें तो करीना जल्द ही फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ आमिर खान लीड रोल में हैं। करीना ने पिछले साल लॉकडाउन के दौरान इस फिल्म की शूटिंग की थी तब वह प्रेग्नेंट भी थीं।

नई दिल्ली। टीवी की जानी मानी अभिनेत्री और %उतरन% फेम टीना दत्ता हमेशा ही अपनी बोल्ड तस्वीरों और वीडियो के चलते चर्चा में रहती हैं। एक्टिंग के अलावा टीना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। टीना आए दिन अपनी सेक्सी और हॉट तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। हाल ही में टीना की टॉपलेस तस्वीरों ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। वहीं अब उनकी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें चर्चा में बनीं हुई हैं। इन तस्वीरों में एक बार फिर से उन्होंने अपनी बोल्डनेस से इंटरनेट पर आग लगा दी है। टीना दत्ता ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर अपनी दमदार वापसी करते हुए अपना हॉट और बोल्ड अवतार फैंस को दिखाया है। टीना ने अपने इंस्टा अकांउट पर अपनी कई लेटेस्ट फोटोज शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में वह ब्लैक आउटफिट पहनकर बीच लोकेशन पर पोज करती हुई दिखाई दे रही हैं। तस्वीरों को देखकर उनके फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं अबतक इन फोटोज को काफी सारे लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं फैंस इस पर कमेंट कर उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

आपको बता दें ?कि हाल ही में टीना दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की थीं। इन तस्वीरों में व्हाइट कलर की हॉट

हाई किया इंटरनेट का पारा

ड्रेस में नजर आईं थीं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि वह समंदर किनारे काफी बोल्ड पोज देती नजर आ रही हैं। उनके हॉट एंड सेक्सी तस्वीरों ने फैंस को दीवाना बना दिया। वहीं उनका लुक हमेशा की तहर ही काफी शानदार नजर आया। टीना ने इन तस्वीरों को वर्ल्ड पर्यावरण संरक्षण दिवस के मौके पर शेयर किया था। टीना दत्ता के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने %उतरन% सीरियल में %इच्छा% का किरदार निभाया था। अपने इस रोल से ?टीना ने दर्शकों के दिलों पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वहीं उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने काफी सराहा भी। छोटे पर्दे पर एक संस्कारी बहू की छवि बनाने वाले टीना असल जिंदगी में वह काफी बोल्ड हैं।

ट्विटर पर हैशटैग बॉयकॉट करीना कपूर खान (#BoycottKareenaKhan) ट्रेंड हो रहा है।

कब पूरा होगा किसानों का सपना..

मुख्यमंत्री ने मार्च में की थी बरगी नहर निर्माण की समीक्षा, तीन महीने की डेडलाइन भी पूरी होने जा रही

कटनी के साथ सतना और रीवा जिले में भी खेतों तक पानी पहुंचाने तैयार की गई थी योजना

13 साल में नहीं बनी 12 किलोमीटर टनल

कटनी। अरबों रूपए की लागत से बन नही बरगी दांयी तट नजर का निर्माण कार्य 13 सालों बाद भी पूरा नहीं हो पाया है। टनल का निर्माण अधर में होने की वजह से न तो किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल पा रहा है और न ही नर्मदा नहर का पानी कटनी नदी तक लाए जाने की योजना को अमली जामा पहनाया जा सका है। नर्मदा घाटी विकास परियोजना के अंतर्गत चल रहे नहर निर्माण में निर्माण एजेंसी की भी लापरवाही सामने आई है। जो काम 40 महीने में पूरा होना था, वह 13 सानों में भी पूरा नहीं हो पाया है, इसके बाद भी राज्य सरकार द्वारा निर्माण एजेंसी के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई, बल्कि निर्माण अवधि बढ़ाई जाती रही। गौरतलब है कि कटनी, सतना और जबलपुर जिले में खेतों में सिंचाई के लिए बरगी व्यवर्तन योजना के तहत दांयी तट नहर निर्माण को मंजूरी दी गई है। बरगी नहर का निर्माण कार्य वर्ष 2008 में शुरू हुआ था। स्लीमनाबाद के समीप इमलिया पहाड़ी में साल 2008 से शुरू होकर 40 माह में बनने वाली 12 किलोमीटर लंबी टनल 13 साल में नहीं बनी सकी है। नर्मदा वैली विकास प्राधिकरण एनवीडीए की देखरेख में चल रहे काम में लगातार लेटलतीफी देखने को मिली है। पिछले 13 सालों से कटनी, सतना और रीवा के लाखों किसान नर्मदा नहर के पानी का इंतजार कर रहे हैं। बरही नहर के निर्माण में कई तरह की परेशानियां भी सामने आई।

बरगी व्यपर्तन योजना पर एक नजर

- 11.95 किलोमीटर लंबी टनल खुदाई के लिए 2008 में अनुबंध।
- 40 माह में जुलाई 2011 तक काम पूरा कर खेतों में पहुंचाना था पानी।
- 4 बार एक्सटेंशन के बाद भी आधा काम। समस्या दूर करने में बेपरवाह अफसर
- 5.74 किलोमीटर कार्य 2 माह पहले तक पूरा हुआ।
- 6.21 किलोमीटर टनल का निर्माण बाकी।
- 272 मीटर अप्रैल व मई के दो माह में खुदाई का दावा।
- 799 करोड़ की परियोजना में 560.70 करोड़ रुपये का भुगतान।

कटनी नदी तक पानी लाने की योजना भी ठंडे बस्ते में

शहर में पेयजल संकट को दूर करने के उद्देश्य से स्लीमनाबाद के पास निर्माणाधीन बरगी नहर का पानी कटनी नदी तक लाने की योजना ठंडे बस्ते में हैं। राज्य सरकार के साथ ही जिले के जनप्रतिनिधियों द्वारा अब तक इसको लेकर कोरे आश्वासन ही दिए गए। जिसके चलते अब तक योजना भी तैयार नहीं हो सकी है।

क्या कहते हैं अधिकारी

इस बारे में नर्मदा घाटी विकास परियोजना एनव्हीडीए के ईई हरि सिंह का कहना है कि टनल निर्माण की गति अब बढ़ रही है। खनन के दौरान मिट्टी का स्वरुप बदलने के कारण परेशानी हो रही है। खनन के बाद रिंग लगाने में भी समय लगता है। कोशिश है कि आधा काम हो गया है तो आधा काम जल्द पूरा किया जाए।

सीएम ने की थी समीक्षा, इसके बाद भी निर्माण में रफ्तार नहीं

बरगी नहर के निर्माण में लगातार लेटलतीफी के चलते प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विगत 26 मार्च को इस परियोजना की समीक्षा की थी। समीक्षा करते हुए सीएम श्री चौहान ने तीन माह की डेडलाइन फिक्स करते हुए कहा था कि कार्य में संतोषप्रद प्रगति के बाद ही एक्सटेंशन दिया जाएगा। सीएम द्वारा दी गई डेडलाइन 26 जून को पूरा होने जा रही है। इसके बाद भी नहर के निर्माण में गति नहीं आई है। परियोजना से जुड़े अफसर अप्रैल और मई के दो महीने में 272 मीटर की प्रगति को संतोषजनक बताकर स्वयं की पीठ थपथपाने में जुटे हुए हैं। परियोजना निर्माण का ठेका मेसर्स पटेल और एसईडब्ल्यू संयुक्त उपक्रम हैदराबाद को दिया गया है।

तीन जिले के लाखों किसानों को मिलेगा फायदा

बरगी व्यपवर्तन योजना के माध्यम से कटनी, सतना और जबलपुर जिले जिले के लाखों किसानों को फायदा मिलेगा। किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए योजना तैयार की गई थी। इसमें जबलपुर जिले के 60 हजार, कटनी जिले की 21 हजार 823 और सतना जिले के 1 लाख 59 हजार 655 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या लाखों में है

तीन साल लग गए थे मशीन आने में

15 फरवरी 2019 को तत्कॉलीन नर्मदा घाटी विकास मंत्री सुरेंद्र सिंह बघेल टनल का जायजा लेने पहुंचे तो अफसरों ने पूरे प्रोजेक्ट पर ही सवालिया निशान लगाते हुए ओपन कैनाल बनाने की सलाह दी थी। टनल निर्माण से जुड़े जानकार बताते हैं कि नहर का पानी आगे ले जाने के लिए इमलिया पहाड़ी पर टनल का निर्माण आने वाले समय में ज्यादा दिनों के लिए लाभप्रद होगा। किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने की इस योजना में शुरू से ही लेटलतीफी हावी रही। बताया जा रहा है कि टेंडर के बाद तीन साल मशीन लगाने में लग गए थे।

माधवनगर क्षेत्र की एटीएम मशीनों में सेंध लगाई थी लखनऊ के शातिर इंजीनियरिंग छात्रों ने

प्रारंभिक पूछताछ में हुआ खुलासा, अब कटनी लाकर पूछताछ करने की तैयारी में पुलिस

कटनी। जबलपुर पुलिस की गिरफ्त में आए एनसीआर कम्पनी के एटीएम में छेड़छाड़ कर पैसे निकालने के तीन आरोपियों ने पहले कटनी के माधवनगर थाना अंतर्गत एक दो एटीएम को निशाना बनाया था। इसके बाद जबलपुर में वारदातों को अंजाम दिया था। जबलपुर पुलिस की पूछताछ में इस बात का खुलासा होने के बाद कटनी पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के दिशा निर्देश व मार्गदर्शन में कटनी पुलिस की एक टीम भी आरोपियों से पूछताछ करने जबलपुर गई थी। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के मुताबिक प्रारंभिक पूछताछ के बाद अब आरोपियों को प्रोटक्शन वारंट पर कटनी लाया जाएगा और विस्तृत पूछताछ की जाएगी। गौरतलब है कि जबलपुर पुलिस ने बीते दिनों नसीआर कम्पनी के एटीएम में छेड़छाड़ कर पैसे निकालने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपी लखनऊ की इंट्रीगल यूनिवर्सिटी में बीटेके के छात्र हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने मध्य प्रदेश समेत दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों में इस तरह की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपियों के नाम उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित ग्राम सरसी निवासी विजय यादव, सर्वोदय नगर कानुपर निवासी गगन कटियार और डॉक्टर्स कॉलोनी वाराणसी निवासी अजीत सिंह बताए गए हैं। यह जानकारी बीते दिनों पत्रकारवार्ता में जबलपुर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा ने दी थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में दो वारदातें कीं। उनके पास से कार क्रमांक यू.पी.32एफएस-4275, 65 हजार रुपए, पेंचकस सहित अन्य सामान बरामद हुआ है। आरोपी तीन वर्षों से एटीएम में छेड़छाड़ कर पैसे निकाल रहे थे। यह पहली बार है जब पुलिस ने उन्हें दबोचा। पुलिस ने अन्य प्रदेशों को भी यह जानकारी भेज दी है। साथ ही कटनी पुलिस को भी इस संबंध में सूचित किया है। जिसके बाद कटनी पुलिस की एक टीम आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ कर चुकि है। जिसमें आरोपियों ने माधवनगर थाना अंतर्गत एक दो एटीएम मशीनों से छेड़छाड़ कर पैसे निकालने की बात स्वीकार की है। बताया जाता है कि प्रारंभिक पूछताछ के बाद अब पुलिस आरोपियों को प्रोटक्शन वारंट पर कटनी लाकर विस्तृत पूछताछ करेगी।

पहले कटनी, फिर जबलपुर में वारदात

आरोपियों ने जबलपुर पुलिस को पूछताछ में बताया था कि वे यूनिवर्सिटी के छात्रावास में रहते हैं। पैसों की कमी के कारण उन्होंने यह अपराध शुरू किया। वे 30 मई को लखनऊ से गगन की कार से बनारस होते हुए रीवा और फिर कटनी पहुंचे। रास्ते में उन्हें कहीं भी एनसीआर कम्पनी का एटीएम नहीं मिला। 31 मई की रात कटनी में उन्हें एनसीआर कम्पनी के दो एटीएम मिले। अरोपी अजीत ने राजकुमार के एटीएम कार्ड, पेंचकस और चिमटी के जरिए 20 हजार रुपए निकाले। उसने दूसरे एटीएम से अजीत की पत्नी वैभवी सिंह के कार्ड से पैसे निकाले।

पूछताछ के बाद होगा खुलासा-एसपी

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी का कहना है कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने माधवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दो एटीएम में वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस अब आरोपियों को प्रोटक्शन वारंट पर कटनी लाकर पूछताछ करेगी।

दूसरे दिन एक भी पॉजीटिव केस नहीं

जून के हीने में राहत का सिलसिला, 9 एक्टिव केस बचे, एक की मौत दर्ज

कटनी। जून के महीने में कोरोना संक्रमण से राहत का सिलसिला लगातार जारी है। लगातार दूसरे दिन आज जीरो पॉजीटिव केस मिले हैं। आज एक भी मरीज को डिस्चार्ज नहीं किया गया है, जबकि एक मौत दर्ज की गई है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. समीर सिंघई ने बताया कि पिछले 24 घंटे में सुप्राटेक की इंदौर लैब से मिली (आरपीटीसीआर) 641 सेम्पल की रिपोर्ट में एक भी पॉजीटिव केस नहीं मिला है। इसी तरह रेपिड एंटीजन टेस्ट की 555 सेम्पल की रिपोर्ट में भी एक पॉजीटिव केस नहीं मिला है। पिछले 24 घंटे में एक भी मरीज को डिस्चार्ज नहीं किया गया है। अब तक तक कुल संक्रमित मरीजों 9359 में से 9240 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। जिले में अब 9 एक्टिव केस हैं, जिसमे से 2 जिला चिकित्सालय एवं 7 मरीज होम आईसोलेशन में उपचाररत हैं। जिले में अब तक 1 लाख 44 हजार 458 लोगों की जांच की जा चुकी है। जिसमे से 1 लाख 28 हजार 553 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

PRE. REGISTRATION
सांईनाथ इंस्टीट्यूशन/ श्री हास्पिटल

सर्व सुविधायुक्त कॉलेज हॉस्टल एवं बस की सुविधा उपलब्ध

पाठयक्रम	योग्यता	कोर्स अवधि	उम्र
डी.एल.एड.	12वीं पास (किसी भी विषय)	2 वर्ष	17 वर्ष से उपर
बी.ए.बी.एड.	12वीं पास (किसी भी विषय)	4 वर्ष	17 वर्ष से उपर
बीएससी बीएड	12वीं पास (विज्ञान/गणित)	4 वर्ष	17 वर्ष से उपर

एन.सी.टी.ई. नई दिल्ली म.प्र. एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर व माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल

नोटः- एससी/ एसटी/ओबीसी छात्र-छात्राओं को म.प्र. शासन के नियमानुसार शिक्षण शुल्क लाभ प्राप्त करें

श्री हास्पिटल एम.एम. चौबे वार्ड, एनएच-7 बरगवां, कटनी मो. 8962262200, 9425325316, 9752414318

PRE. REGISTRATION सांईनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग/ श्री हास्पिटल

सर्व सुविधायुक्त कॉलेज हॉस्टल एवं बस की सुविधा उपलब्ध

पाठयक्रम	योग्यता	कोर्स अवधि	उम्र
एएनएम	12वीं पास (किसी भी विषय)	2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
जीएनएम	12वीं पास (किसी भी विषय)	3 वर्ष	17 वर्ष-35 वर्ष
बीएससी (नर्सिंग)	12वीं पास (बायो.)	4 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
पोस्ट बेसिक बीएससी		2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
एमएससी (मनो.)		2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर
एमएससी (सामु. स्वा.नर्सिंग)		2 वर्ष	17 वर्ष से ऊपर

नोटः- एससी/ एसटी/ओबीसी छात्र-छात्राओं को म.प्र. शासन के नियमानुसार शिक्षण शुल्क लाभ प्राप्त करें

इंडियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली म.प्र. नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल भोपाल से मान्यता प्राप्त

श्री हास्पिटल एम.एम. चौबे वार्ड, एनएच-7 बरगवां, कटनी मो. 8962262200, 9425325316, 9752414318

323 को लगी को-वैक्सीन की सेकेण्ड डोज

कटनी। जिले में निर्धारित टीकाकरण केन्द्रों में कोविड-19 का वेक्सीनेशन कार्य किया गया। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. समीर सिंघई ने बताया कि जिले में 12 जून को कुल 323 लाभार्थियों को कोविड-19 वेक्सीन का सेकेण्ड डोज का टीकाकरण किया गया है। आज रविवार को जिले के सीएचसी में को-वेक्सीन के सत्र केवल सेकेण्ड डोज के लिये आयोजित किए गए। शहरी क्षेत्र के अंतर्गत 13 जून को केवल जिला चिकित्सालय पुरानी कचहरी परिसर में को-वैक्सीन द्वितीय डोज का टीकाकरण सत्र आयोजित किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हित किये गये टीकाकरण केन्द्रों में सीएचसी बड़वारा, सीएचसी बहोरीबंद, सीएचसी ढीमरखेड़ा और सिविल हॉस्पिटल विजयराघवगढ़ में भी को-वैक्सीन के द्वितीय डोज के लिये टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए।

मानसून की दस्तक के बावजूद तरसा रहे बादल

24 घंटे के दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना

कटनी। दक्षिण/पश्चिम मध्यप्रदेश के साथ पूरे जबलपुर, होशंगाबाद, शहडोल, इंदौर संभाग में मानसून की आमद हो चुकी है। मौसम विभाग इसकी पुष्टि कर रहा है। दो दिन से आसमान पर मंडरा रहे बादल इसका एहसास भी करा रहे हैं लेकिन शहर के साथ जिले को मानसूनी बारिश का अभी भी इंतजार है। अगले 24 घंटे के दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

तपन व उमस से हाल बेहाल

देश के कई हिस्सों में मानसूनी बारिश का दौर शुरू हो चुका है। शहर में भी मानसून ने आमद दे दी है। यही वजह है कि आसमान पर लगातार काले बादल मंडरा रहे हैं। बस उसके सक्रिय होने के साथ ही बेहतर बारिश का इंतजार है। शनिवार को जिले में कुछ जगह खंड बारिश भी हुई लेकिन मानसूनी झमाझम में अभी भी समय लग सकता है क्योंकि मौसम विभाग अगले 24 घंटे के दौरान भी हल्की बारिश के साथ तेज हवा चलने की संभावना जता रहा है। उधर लगातार मंडराते बादल और बीच-बीच में हो रही हल्की बारिश के कारण मौसम पूरी तरह से ठंडा नहीं हुआ है। अधिकतम तापमान भी 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है। दिन की तपन के साथ रात की उमस लोगों को परेशान किए हुए है। रात में 12 बजे के बाद भी हल्की ठंड का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 से 48 घंटे के दौरान शहर सहित पूरे जिले में मानसूनी झमाझम के आसार बन रहे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात सक्रिय

मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में चक्रवात सक्रिय हो गया है। इस कम दबाव के क्षेत्र के प्रभावशाली होने से शहर तक असर होगा। बादलों के बरसने का अवसर बढ़ेगा। मानसून सक्रिय हो जाएगा। एक ट्रफ लाइन भी बनी हुई है। इसके कारण आने वाले तीन-चार दिनों में अभी गरज-चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 30-40 किमी प्रतिघंटा की गति से हवा भी चल सकती है।

किराए से देना है

बस स्टैंड से 500 मीटर मैहर रोड पर चौरसिया मैरिज गार्डन के ठीक सामने 17×40 की दुकान किराये पर उपलब्ध हैं।

संपर्क करें- 9424849034, 7052191771,9425155542

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666
फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)